<u>संदेश</u>

विजयादशमी के शुभ अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।

विजयादशमी का त्योहार, अनीति पर नीति की, असत्य पर सत्य की और बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक के रूप में पूरे भारत में मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसे ‘दशहरा’ के रूप में मनाते हैं और भगवान राम की रावण पर विजय को ‘रावण दहन’ के द्वारा जीवंत किया जाता है। श्री राम का सम्यक आचरण और मर्यादा-पालन का उनका संदेश पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों को प्रेरणा देता रहा है।

पूर्वी भारत में इसी दिन ‘दुर्गा प्रतिमा विसर्जन’ समारोह उल्लासपूर्वक मनाया जाता है। इस प्रकार यह त्योहार, भारत की सांस्कृतिक एकता का प्रबल-प्रमाण प्रस्तुत करता है।

मेरी कामना है कि यह त्योहार, हमें नीति, सत्य और अच्छाई के शाश्वत जीवन-मूल्यों को आत्मसात करने और शांति एवं सौहार्द से जीवन जीने के लिए सतत प्रेरित करता रहे।

****